दौसा विजन–2030

जिले के वर्तमान संसाधनों का आंकलन कर भावी आवश्यकताओं के साथ सामजंस्य बनाने के प्रयास के क्रम में तैयार योजना **विजन–2030** में विभिन्न नागरिक सेवाओं का समावेष किया गया है । जिनको समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने की कार्य योजना तैयार की गई है । वर्ष 2030 तक की अनुमानित जनसंख्या एवं मानवीय आवश्यकताओं को मध्यनजर हुए उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर वर्ष 2030 की मांग एवं आपूर्ति का प्रारूप तैयार किया गया है । **विजन–2030** का उद्देष्य चरणबद्ध तरीके से योजना का क्रियान्वयन करना है जिससे नागरिक सुविधाओं का आवष्यकतानुसार विकास हो सके । **विजन–2030** में विकास की योजनाओं में सभी विभागों की सहभागिता सुनिष्चित करने के लिए भावी योजनाओं का प्रारूप विभागवार संकलित किया गया है जिससे समन्वित विकास के प्रारूप का क्रियान्वयन संभव हो सके ।

पेयजल आपूर्ति

दौसा शहर जिला मुख्यालय जयपुर से लगभग 52 किमी दूर पूर्व दिशा में मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग 11 पर जयपुर–भरतपुर **"स्वर्णिम त्रिकोण"** पर स्थित है। शहर की पेयजल व्यवस्था जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पाईप्ड जलयोजना के माध्यम से की जा रही है। जिसके पेयजल स्त्रोत मुख्यतः होदायली – बाणगंगा नदी क्षेत्र में है जो कि यहां से लगभग 15 किमी दूर है। शहर की जनसंख्या लगभग 61601 है । दौसा जिले में नगरपालिका है जो कि 35 वार्डों में बंटी हुई है। पेयजल सप्लाई की दृष्टि से कस्बे को 6 जोन में विभाजित किया हुआ है।

भू–जल के अतिदोहन एवं कम वर्षा से प्रभावित होने के कारण जल स्तोत्रों की आवक क्षमता में निरन्तर कमी हो रही है। वर्तमान में 27 नलकूपों से 50 लाख लीटर जल उत्पादन कर 50 एलपीसीडी से क्षैत्र में पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

विजन 2030 को ध्यान में रखकर जनगणना का आंकलन वर्तमान जनसंख्या 61601 से बढकर शहरी क्षेत्र में 127504 होने की संभावना है तथा वर्ष 2030 की आबादी में समीप के निम्न गांवों के भी शामिल होने की संभावना है। इन्हीं संभावनाओं के आधार पर 2030 की कुल आबादी की गणना निम्नानुसार की जा सकती है।

ग्राम का नाम	आबादी	सम्भावित आबादी 2030
शहर दौसा	61601	127504

दलेलपुर	174	360
जीरोताकलां	460	952
रूंगली	33	68
रायपुर	129	267
मोडपट्टी	84	174
हरीपुरा	657	1360
बाढ दौसा	215	445
महेश्वरा खुर्द	1567	3243
बीसलवास	276	571
चैक दौसा	350	724
गणेशपुरा	489	1012
डगलाव	103	213
दौसाखुर्द	792	1639
कुल योग	**66930**	**138532**

कस्बे की 2030 की सम्भावित आबादी के अनुसार जल मांग 135 एलपीसीडी 15 प्रतिशत अन–अकाउटेंड वाटर जोडते हुए 155 एलपीसीडी सेवा स्तर के अनुसार 25.33 एमएलडी रहेगी। वर्तमान में कस्बे का जल उत्पादन मात्र 5 एमएलडी ही है जो कि आने वाले 10 वर्षों में नगण्य रह जावेगी। इस प्रकार 25.33 एमएलडी की पूर्ति के लिए वरिष्ठ भू–जल वैज्ञानिक की राय के अनुसार बाण गंगा नदी क्षेत्र में पानी उपलब्ध नहीं रहेगा। जल व्यवस्था के रूप में सतही स्त्रोत ईसरदा बांध एवं चम्बल नदी से पानी लाना ही एक मात्र विकल्प होगा। जिसकी अनुमानित लागत राशि रूपये 315.00 करोड होगी। इस योजना को अंतिम रूप देने के लिए श्री ए.के. मिश्रा, सदस्य सचिव, केन्द्रीय योजना आयोग, भारत सरकार की अगुवाई एवं प्रमुख शासन सचिव, आयोजना, राजस्थान सरकार की उपस्थिति में कलेक्टर, दौसा की मौजूदगी में दौसा में विस्तार से चर्चा कर इस पर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया था । इस योजना का लागत सार निम्न प्रकार होगा –

क्र0सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत करोड में

1	सतही जल स्त्रोत पर इंटेवैल का निर्माण	50.00
2	ईसरदा बांध क्षेत्र पर पम्प हाउस एवं स्टोरेज आदि कार्य	10.00
3	ईसरदा बांध क्षेत्र से शहर दौसा तक मध्यवर्ती पम्पिंग स्टेशनों का कार्य मय स्टोरेज	15.00
4	ईसरदा बांध क्षेत्र से शहर दौसा तक राईजिंग मैन पाइप लाइन का कार्य मय स्टोरेज	100.00
5	शहर दौसा के समीप फिल्टर की स्थापना का कार्य	50.00
6	शहर दौसा की स्टोरेज क्षमात का संवर्धन कार्य	10.00
7	शहर दौसा की वितरण पाईप लाईनों का विस्तार कर्य	10.00
8	पम्प हाउसों पर जीएसएस की स्थापना व विद्युतीकरण का कार्य	50.00
9	अन्य सिविल कार्य	5.00
	योग	300.00
	कन्टीजेंसी 5 प्रतिशत	15.00
	कुल योग	315.00

दौसा जिले का पेयजल परिदृश्य 2030

दौसा जिले में 5 शहरी योजनाएं हैं, जिनकी 2031 के लिये अभिकल्पित जनसंख्या और मांग निम्नानुसार रहेगी।

क्र. सं.	शहरी योजना का नाम	अभिकल्पित जनसंख्या					वर्तमान मांग एमएलडी		
		2001	वर्तमान	2016	2026	2030	वर्तमान एमएलडी	2026	2030
1	बांदीकुई	51527	63205	73316	93110	105214	6.32	14.41	16.29
2	बसवा	18852	23125	26825	34067	39177	2.31	5.27	6.04
3	दौसा	610601	75562	88282	112725	127504	7.56	17.36	17.68
4	लालसोट	28249	34651	40195	51047	58704	3.47	7.9	8.99
5	महवा	19564	23998	27837	35352	40654	2.4	5.4	6.2
	योग	179793	220541	256455	326301	371253	22.06	50.34	55.2

वर्तमान में उक्त सभी शहरी योजनाएं भूजल पर आधारित हैं। वर्तमान में उक्त योजनाओं की कुल मांग 22.06 एमएलडी है जिसके विरूद्ध कुल 12.8 एमएलडी जल उत्पादन 103 नलकूपों द्वारा किया जा रहा है और वर्तमान में भी 9.26 एमएलडी की कमी है एवं औसत जल सेवा स्तर 50 प्रतिशत ही है। वर्ष 2031 में जल सेवा स्तर 135 एलपीसीडी मानते हुय कुल मांग 57.25 एमएलडी रहेगी। पर्याप्त वर्षा

नहीं होने एवं अंधाधुध दोहन के कारण जल स्तर प्रति वर्ष नीचे जा रहा है एवं पूरा क्षेत्र डार्क जोन में आ गया है यदि इसी गति से दोहन चलता रहा तो वर्ष 2031 तक पेयजल हेतु भूजल उपलब्ध नहीं रहेगा एवं पेयजल की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो जायेगी। इस हेतु 2031 तक पेयजल आपूर्ति सतही स्त्रोत पर आधारित रहेगी जिसके लिए चम्बल नदी पर इसरदा बांध से पानी लाना प्रस्तावित है।

ग्रामीण क्षेत्रों का 2030 का पेयजल परिदृश्य

क्र.सं.	तहसील	अभिकल्पित जनसंख्या			वर्तमान मांग एमएलडी	
		2001	2011	2030	वर्तमान एमएलडी	2030
1	बसवा	266688	324520	538709	10.6	21.2
2	दौसा	271554	330620	548539	10.84	21.6
3	लालसोट	250573	3055000	506157	10	20.24
4	महवा	181366	220820	366359	7.2	14.64
5	सिकराय	211689	257420	427611	8.4	17.08
	योग	1181870	4188380	2387375	47.04	94.76

वर्तमान में 47.00 एमएलडी मांग की पूर्ति हेतु 343 नलकूप एवं 10973 हैण्ड पम्प कार्यरत हैं एवं पूर्ण जलापूर्ति भूजल पर आधारित है, लेकिन कम वर्षा एवं अति दोहन के कारण पूरा ग्रामीण क्षेत्र डार्क जोन की स्थिति में आ गया है। 2031 तक पेयजल हेतु भूजल उपलब्ध नहीं रहेगा। इसलिए 2031 तक पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सतही स्त्रोतों पर आधारित योजनाओं की आवश्यकता होगी। इस प्रकार पूर्ण जिले की 2031 की जनसंख्या (2387375 ग्रामीण + 371253 शहरी) कुल 2758628.00 के लिये कुल मांग 172 एमएलडी रहेगी जिसकी पूर्ति हेतु इसरदा बांध अथवा चंबल नदी से पानी लाना प्रस्तावित किया है। इन प्रस्तावों की कुल लागत लगभग 360.00 करोड रूपये आने की संभावना है।

सुजलाम् – जिले के कई क्षेत्रों में जल स्तर चिन्ताजनक गहराने से इन्हें डार्क जोन में शामिल किया जा चुका है । जल के सदुपयोग कृषि कार्य में वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग एवं वर्षा जल पुनर्भरण हेतु जिले में कई कार्यक्रम किये गये हैं । "**सुजलाम्**" यह प्रयास शिक्षा विभाग के माध्यम से स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग से वर्षा जल पूर्णभरण चेतना हेतु प्रारम्भ किया गया । जुलाई,2010 तक 200 जल पुनर्भरण संरचना बनाने का लक्ष्य है । जिसमें 10 स्थानों पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है । वर्ष 2030 तक शहर के सभी निर्माणों में वर्षा जल पुर्नभरण संरचना का निर्माण किये जाने का लक्ष्य है । कार्यक्रम के दौरान वर्षा जल पुनर्भरण संरचना से सम्बन्धित विधि के लिए गांवों एवं तहसील तथा कस्बों में पोस्टर से प्रचार–प्रसार किया गया । वर्षा जल संरक्षण हेतु संरचना का मॉडल बनाया गया जिसकी लागत न्यूनतम एवं यह प्रत्येक व्यक्ति द्वारा आसान तरीके से अपने घर में निर्माण करके किया जा सकता है । **सुजलाम् वर्षा जल पुनर्भरण संरचना का मॉडल** निम्नानुसार है :–

सुजलाम्

छत पर गिरे वर्षा जल को निम्नुसार एकत्रित कर एक फिल्टर पिट में लाया जायेगा जिसमें लगी स्टील जाली व नीचे बिछाई मोटी बजरी से बारीक अशुद्वी का शुद्वीकरण होकर साफ पानी एक 3–4 फीट व्यास के बने 20फीट से 28 फीट गहरे शाफ्ट में गिरेगा शाफ्ट के पेदें में 5 इंच मोटा व 40–50 फीट गहरा एक बोर किया जायेगा जिसमें ग्रवेल, मोटी रोड़ी , व बजरी भर दी जाएगी ताकि छत का वर्षा जल सीधे ही धरती के अन्दर पहुंचाया जा सके जिसमें जल स्तर ऊपर आएगा

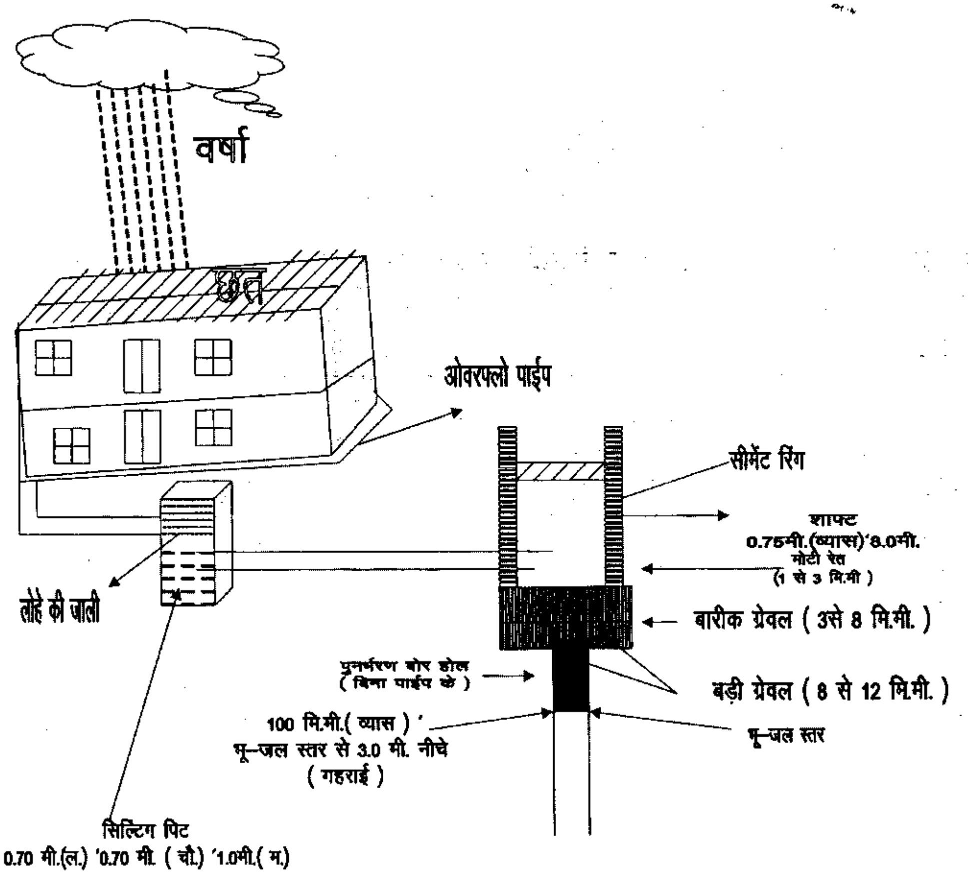

भवन क्षेत्रफल 100 से 300 वर्गमीटर

विद्युत आपूर्ति

दौसा शहर में वर्ष 2010 की आवश्यकता के अनुरूप विद्युत वितरण की व्यवस्था की हुई है । बढती हुई मानवीय आवश्यकताओं, जनसंख्या,औद्योगिक विकास,सांस्थानिक एवं औद्योगिक इकाईयों में विद्युत की बढी हुई अनुमानित आवष्यकता का समावेष विजन–2030 में किया गया है । षहर की वर्तमान विद्युत आवष्यकता 2.60 लाख यूनिट प्रतिदिन है जो वर्ष 2030 में 11.15 लाख प्रतिदिन अनुमानित है । मांग एवं आपूर्ति प्रबन्धन एवं बेहतर उपभोक्ता संतुष्टि के लिए वर्ष 2030 तक 33 के.वी. लाईन को 70 कि.मी. 11 के.वी लाईन 70 कि.मी. एमटी लाईन 530 कि.मी. की आवष्यकता होगी ।

विद्युत की वर्तमान मांग एवं आपूर्ति में असमानता है जिससे जिले को अभी 61500 केवीए की आवष्यकता के स्थान पर 32241 केवीए विद्युत यूनिट ही प्राप्त हो रही है । विजन–2030 में प्रस्तावित आवष्यकता की पूर्ति एवं उपभोक्ता संतुष्टि के लिए कार्य योजना बनाई गई है जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

वर्तमान स्थिति	विजन 2030	
दौसा शहर के लिए सन 2031 की आबादी व क्षेत्रफल के अनुसार बिजली की आपूर्ति करने हेतु आवश्यक संसाधनों का विवरण		
विद्युत उपचौकियों एवं लाईनों का विवरण	स्थापित क्षमता वर्तमान–2010	प्रस्तावित क्षमता –2030
22 / 132 केवी उपचौकी	12 एमवीए	75 एमवीए
33 / 11 केवी उपचौकी	1 X 5 एमवीए त्र 5 एमवीए	4 X 5 एमवीए त्र 20 एमवीए
	1 X 3-15 एमवीए त्र 3.15 एमवीए	
	2 X 1-6 एमवीए त्र 3.2 एमवीए	
	कुल 11.35 एमवीए	कुल 20 एमवीए
33 केवी लाईन	20 किमी (उपरी लाईन)	70 किमी (U/G केबल)
11 केवी लाईन	130 किमी (उपरी लाईन)	70 किमी (U/G केबल)
एम टी लाइ्रन	240 किमी (उपरी लाईन)	530 किमी (U/G केबल)
ऊर्जा खपत	2.60 लाख युनिट प्रतिदिन	11.15 लाख युनिट प्रतिदिन
वितरण ट्रांसफार्मर कव विवरण		
630 केवीए	03 X 360 केवीए = 1890 केवीए	
315 केवीए	02 X 315 केवीए = 630 केवीए	
250 केवीए	22 X 250 केवीए = 5500 केवीए	55 X 250 केवीए = 12500 केवीए

160 केवीए	25 X 160 केवीए = 4000 केवीए	1000 X 160 केवीए = 16000 केवीए
100 केवीए	102 X 100 केवीए = 10200 केवीए	330 X 100 केवीए = 33000 केवीए
63 केवीए	92 X 63 केवीए = 5796 केवीए	
40 केवीए	45 X 40 केवीए = 1800 केवीए	
25 केवीए	97 X 25 केवीए = 2425 केवीए	
कुल	**32241 केवीए**	**61500 केवीए**

वर्ष 2030 तक विकास की विभिन्न योजनाओं की कियान्विति एवं नागरिकों की बदलती जीवन शैली एवं आधुनिक तकनीकी के प्रयोग से विद्युत उपभोग में अप्रत्याशित बढोतरी की संभावना है । जिले की बढी हुई विद्युत मांग को अन्य स्त्रातों यथा– सौर उर्जा, पवन उर्जा आदि से पूर्ति किया जाना प्रस्तावित है । इसके लिए जिले में विभिन्न स्थानों को चिन्हित करने हेतु कार्य योजना बनाई जायेगी एवं इस परियोजना में निजी सहभागिता से पूर्ण करवाने का प्रयास किया जायेगा ।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं

दौसा जिले के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करने हेतु जिले में वर्तमान में निम्नानुसार स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध हैं। जिला चिकित्सालय –1, टी.बी. क्लिनिक–1, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – 8, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–29, उप स्वास्थ्य केन्द्र–237 हैं। इसके अलावा जिले में 1174 आशा बहिनों की नियुक्ति राष्टीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत की गयी है। जिले के स्वास्थ्य सूचक के विभिन्न बिन्दु निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	स्वास्थ्य सूचक	अंक
1	आई.एम.आर.	63
2	एम.एम.आर.	370
3	गर्भवती महिलाओं को कम से कम 1 टी.टी. का टीका लगा	74.1 प्रतिशत
4	संस्थागत प्रसव	62.2 प्रतिशत
5	सम्पूर्ण टीकाकरण	66.4 प्रतिशत
6	गर्भ निरोधक संसाधन का उपयोग	51.1 प्रतिशत

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरूआत राजस्थान में मई 2005 में हुई थी। दौसा जिले में भी इस परियोजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का बेहतर संचालन किया जा रहा है। विजन 2030 को ध्यान में रखते हुए निम्नानुसार योजनाएं प्रस्तावित हैं :–

क्र.स.	गतिविधि	2010 की वर्तमान स्थिति	2020में प्रस्तावित	2030 में प्रस्तावित
1	जनसंख्या	1624475	2014349	2497792
2	जिला अस्पताल	1	1	1
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	8	10	12
4	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	29	40	48
5	सब सेन्टर	237	400	480

विजन 2030 योजना के सफल क्रियान्विति के लिए जिले के विभिन्न शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निम्न योजनाएं प्रस्तावित हैं :

जिला स्तर :

प्रस्तावित			
	2010	**2020**	**2030**
जिला चिकित्सालय	200 बैड	300 बैड	500
सैटैलाईट हॉस्पिटल	–	–	30 बैड सैंथल चौराया (सिविल लाईन से लगता हुआ)
डिस्पेंसरी	–	1. कृषि उपजमंडी क्षेत्र/हाउसिंग बोर्ड 2. सैंथल चौराहा	डिस्पेंसरी – (1) मोदी का तिबारा, गिरिराजधरण मंदिर

नगरपालिका क्षेत्र :–

प्रस्तावित			
	2010	**2020**	**2030**
सा.स्वा.केन्द्र बांदीकुई	50 बैड	100 बैड (मय बर्न यूनिट एवं आईसीयू)	150
सिटी डिस्पेंसरी		6 बैड कुटी	12

ट्रोमा			2
एफबीएनसी	6 बैड	20 बैड	
एमटीसी	—	6 बैड	12 बैड
रिहेबिलिटेसन	—	—	10 बैड

लालसोट :— ,

	प्रस्तावित		
	2010	2020	2030
सा.स्वा.केन्द्र लालसोट	30 बैड	75 बैड (मय बर्न युनिट एवं आईसीयू)	100 बैड (मय बर्न युनिट एवं आईसीयू)
सिटी डिस्पेंसरी		6 बैड सवाई माधोपुर, गंगापुर तिराहा	6 बैड कौथून रोड, जमात एरिया
ट्रोमा		10 बैड कौथून रोड	
एफबीएनसी	6 बैड	20 बैड	
एमटीसी	—	6 बैड	12 बैड
रिहेबिलिटेसन	—	—	10 बैड

महुवा :—

	प्रस्तावित		
	2010	2020	2030
सा.स्वा.केन्द्र महवा	30 बैड	75 बैड (मय बर्न युनिट एवं आईसीयू)	100 बैड (मय बर्न युनिट एवं आईसीयू)
ट्रोमा		12 बैड	15 बैड
एफबीएनसी	6 बैड	12 बैड	

एमटीसी	—	6 बैड	12 बैड
रिहेबिलिटेसन (पुनर्वास केन्द्र)	—	10 बैड	—

सिकराय :—

	प्रस्तावित		
	2010	2020	2030
सा.स्वा.केन्द्र सिकराय	30 बैड	50 बैड (मय आईसीयू)	
एफबीएनसी		6बैड	

<u>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से सामुदायिक स्वा. केन्द्र में क्रमोन्नत</u>

	प्रस्तावित	
	2020	2030
ब्लॉक दौसा	नॉगल राजावतान 30 बैड	
ब्लॉक बांदीकुई	बसवा 30 बैड	
लालसोट		रामगढ पचवारा 30 बैड
महवा		खेडला 30 बैड

उप स्वा. केन्द्र से प्राथमिक स्वा. केन्द्र में क्रमोन्नत

	प्रस्तावित	
	2020	2030
ब्लॉक दौसा (ग्रामीण)	➢ जिरोता खुर्द मोड ➢ खवारावजी ➢ कालाखो	चांदराना
बांदीकुई	➢ आभानेरी ➢ करनावर	➢ गुढलिया ➢ बेजूपाडा ➢ धनावड
सिकराय	➢ बहरावन्डा ➢ गेरोटा	➢ गांगदवाडी

लालसोट	➢ खटुम्बर ➢ टमराबाद	➢ देवली
महवा	➢ पाटोली (बालाजी मोड)	➢ सालमपुर

नये उप स्वा. केन्द्र

	प्रस्तावित	
	2020	**2030**
दौसा	नांगलचापा, टोडरवास, चौरडी, कालेश्वर कला, उदाला, बैरावास, मोडापट्टी, जौण, चकजगरामपुरा, जयरामपुरा, मांगलवास, सीतारामपुरा, मोहनपुरा	बरखेडा, खेडली, लालपुरा कालीखाई, ठिकरिया, अभयपुरा, हिंगोटिया, बासना, रूढमल का बास, प्रेमपुरा, बढोली, निमाली
ब्लॉक बांदीकुई	झाझीरामपुरा, मूडघिस्या, हिंगोटा, अलियापाडा, अरवता बास, बिवाई, काटरवाडा, झांझया का बास, खारी की झोंपडी, खोडी, मोटुका, दिलावरपुरा	नांगल, अलीपुर, ढिगारिया कपूर, सुजानपाडा, पातरखेडा, केसरीसिंहपुरा, सोडाला, पामाडी, बडाबास, किरतपुरा, सोमाडा, बाडबगीची, आशापुरा, सब्डावली जयपुरा
सिकराय	रामगढ, मोहचिंगपुरा, ब्रहण बेराड, शेखपुरा छोंकरवाडा, पीपलीकी, घूमणा, जयसिंहपुरा, कालाखो, पाडली, झींझण, भण्डारी	धूलकोट, निकटपुरी, रामेडा, रायपुर, ब्राहम्ण, जोध्या, झरणा
महवा	टीकरी किलानौत, सारंगपुर कीर्ति नंगला, रींगसपुरा, शीश्वाहा, चूरखेडा बहडखो, नांगल सुमेर सिंह सिंकदरपुर नया गांव नांगलचारण मोहनपुरा	टहलडी, नोरंगवाडा, शहदपुर, भोपर शाहीपुर, रोंत, जनानपुर, खवदा, खानपुर, अलीपुर, अमसपुर
लालसोट	सलेमपुरा, राजौली, कोल्यावास, हामावास, खटूम्बर, खारां, रामसर, ढोला, कंवरपुरा, चादवास, गढ सम्मतरामपुरा, नौहरगदुरा लाडपुरा	किशोरपुरा, बिनोरी, अचलपुरा, कल्याणपुरा, श्रीरामपुरा, थलोज, बीलंका, जगनर, तूकान, श्रीया, चंछावास, अभयपुरा, बीजलवास, टोरडा शिव नन्दा, सोन्नदा, अजबपुरा, महाजापुरा, मठलाना, कुतुलवास, टुटीयावास, मोहममदपुरा, लाडी का बास

नगरपालिका क्षेत्र एवं नागरिक सुविधाएं

1. **परिचय** :– दौसा में नगरपालिका के गठन के बाद नगर के विकास में उत्तरोत्तर वृद्धि हुयी हैं। दौसा नगर सैंथल, जयपुर आगरा, अलवर आदि से सडक मार्ग से जुडा हुआ है तथा बडी रेलवे लाईन से जुडने पर जयपुर मुख्यालय के पास स्थित होने के कारण यहा पर विकास की असीम संभावना है एवं आने वाले समय में जनसंख्या का दबाव बढने की संभावना है । षहरी क्षेत्र में विकास एवं आवासीय विस्तार जयपुर आगरा रोड, लालसोट मार्ग के साथ साथ रेखीय प्रणाली से होना पाया गया। 2001 की जनगणना के आधार पर शहर की जनसंख्या 61601 अंकित की गई थी । जिला मुख्यालय घोषित होने के पष्चात् क्षेत्र में रीको औद्योगिक क्षेत्र अनाज मण्डी, राजस्थान आवासन मण्डल की आवासीय योजनाएं एवं वाणिज्यिक योजनाओं में शहरी विकास हुआ है। यातायात की सुगमता एवं जिला स्तरीय सुविधाओं की उपलब्धता के कारण शहर की जनसंख्या में वृद्धि प्रत्याषित है । अतः नगरपालिका के कार्यक्षेत्र में भविष्य की जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए विकास हेतु दौसा **विजन 2030** निम्न प्रकार से प्रस्तावित है।

वर्ष	जनसंख्या	सीवरेज (लीटर प्रतिदिन)	सोलिड वेस्ट(किलोग्राम में)
2011	98447	10632230	20674
2021	157331	16991713	33039
2030	218445	23592075	45873

2 **सीवर पानी का निकास** :– शहर की सीवर आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु नगर पालिका क्षेत्र में सीवर एवं गंदे पानी के निकास के लिए खुली नालियों की व्यवस्था है जो वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप है। दौसा शहर में मुख्य रूप से नालियां खुली हुई हैं तथा अधिकतर स्थानों पर कचरों के द्वारा भर जाती हैं। जिसके कारण मानसून के दौरान पानी जगह–जगह पर रूक जाता है तथा सडकें एवं गलियों पर बहकर निकलता है। शहर की सीवर निकास की आवश्यकता विजन 2030 अनुसार बढाई जाएगी जिसमें नालियों का चौडा करने एवं उनकी लम्बाई बढाई जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में नालियों की व्यवस्था निम्न प्रकार है :–

क्र.सं.	नालियां	लम्बाई किलोमीटर में
1	पुरानी नालियां	5.25
2	नई नालियां	7.50
	कुल नालियां	12.72

रोड लाईट :– शहर में रात्रि के समय रोशनी की भरपूर व्यवस्था के लिए मुख्य मार्गो एवं गलियों में रोड लाईट की व्यवस्था की गई है जो वर्तमान आवश्यकताओं के लिए पूर्ण है। विजन 2030 के अनुरूप बढती हुई आबादी एवं बसावट को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त रोड लाईटों की व्यवस्था आवश्यकतानुसार की जाएगी। वर्तमान में शहर में रोड लाईटों का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र.सं.	रोड लाईट	प्रकार	क्षमता वाट में
1	615	सोडियम लाईट	250
2	416	सोडियम लाईट	150
3	664	सोडियम लाईट	70
4	1775	ट्यूबलाईट	40
5	4500	बल्ब	60
कुल संख्या	**7970**		

दौसा शहर में मुख्य मुख्य स्वीकृत रोड :– शहर के चहुमुंखी विकास के लिए शहर की विभिन्न क्षेत्रों में समय समय पर सडकों का निर्माण किया जाता है। वर्तमान में आवश्यकतानुसार निम्न सडकों के निर्माण की स्वीकृति एवं जिन पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

क्र.सं.	**स्वीकृत मुख्य रोड**	**चौडाई (फीट में)**
1	दौसा बाईपास	200
2	जयपुर आगरा रोड	150
3	सैंथल रोड	100
4	भांखरी रोड	100
5	गुप्तेश्वर रोड	100
6	लालसोट रोड	100
7	महेश्रा रोड	100
8	मोडा का बालाजी रोड	100
9	गणेशपुरा रोड	80
10	गेटेलावा रोड	80

11	पंचायत समिति रोड	60
12	मण्डी रोड	60
13	फलसा वाला बालाजी रोड	60
14	बाबाजी की छावनी रोड	60
	औसत चौडाई	96.4

पार्किंग क्षेत्र :– शहर में दिनों दिन वाहनों की संख्या बढती जा रही है। वर्तमान में शहर में पार्किंग के लिए विभिन्न स्थान चिन्हित किये गए है जिससे वर्तमान समय की पार्किग आवश्यकता पूरी की जा रही है। विजन 2030 के अनुरूप पार्किंग को विकसित करने के लिए विभिन्न स्थानों को चिन्हित कर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

क्र.सं.	**ऑटो पार्किंग**	**टैक्सी पार्किंग**
1	सिविंल लाईन मोड	सैंथल तिराहा
2	सैंथल क्रॉसिंग हाईवे	सोमनाथ तिराहा अरूण मोटर्स के पास
3	वन विभाग का कॉर्नर	रामकरण जोशी स्कूल के सामने
4	मिड वे तिराहा	संस्कृत स्कूल के सामने
5	पुलिस लाईन कॉलोनी के सामने	
6	बरकत तिराहा	
7	खादी बाग	
8	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी	
9	बस डिपो के सामने शिव कॉलोनी	

पार्क और खुला क्षेत्र :– वर्तमान समय में दौसा शहर में आमोद प्रमोद के लिए खुला क्षेत्र एवं पार्क आवश्कता अनुरूप नही है। शहर में वर्तमान समय में पार्क एवं खुला क्षैत्र निम्न प्रकार है जिसका उपयोग नीचे दी गई सारणी में वर्णित है :–

क्र.सं.	पार्क	स्थान (वार्ड में)	सुविधाएं
1	बजरंग मैदान	6	सामाजिक सेवायें
2	मानक्लब	18	फुटबाल सुविधा
3	जय भवानी क्लब	11	फुटबाल सुविधा
4	पायलेट स्टेडियम	12	खेल–कूद सुविधा
5	नेहरू पार्क	7	आमोद–प्रमोद सुविधा
6	सिविल लाईन पार्क	1	आमोद–प्रमोद सुविधा
7	इन्द्रा कॉलोनी पार्क	21	प्रगति पर
8	आईडीएसएमटी पार्क	12	प्रगति पर

शहरी क्षेत्र में विभिन्न अतिआवश्यक सेवाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए निवेश की आवश्यकता है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की योजनाओं में होने वाले खर्च के अनुमानित आंकडे सूचीबद्ध किये गये है। योजनानुसार शहर में संसाधनों का विकास जन आंकाक्षाओं के अनुरूप करने के लिए आवश्यक निवेश निम्न प्रकार है :–

क्र. सं.	योजना	मात्रा	युनिट	लागत लाखों में	वर्षवार निवेश की आवश्यकता				
					2010–13	**2013–16**	**2016–19**	**2019–22**	**2022–30**
जल वितरण योजना									
1	दौसा शहर के लिए नई पाईप लाईन	92	किमी	828	24.4	207.0	165.6	165.6	41.4
2	ब्लक मीटर स्थापित	5	किमी	7.5		1.5	1.5	3.0	1.5
3	बावडियों का विकास	10	संख्या	20	4.0	4.0	4.0	4.0	4.0
4	दौसा शहर के सतही पानी के लिए योजना	30	संख्या	6	1.2	1.2	1.2	1.2	1.2

	योजना								
	कुल योग			**861.5**	**253.6**	**213.7**	**172.3**	**173.8**	**48.1**
सीवरेज कार्यप्रणाली									
5	नई सीवरेज कार्यप्रणाली	92	कि.मी.	1840	552.0	460.0	368.0	368.0	92.0
6	सार्वजनिक शोचालय	10	संख्या	100	30.0	50.0	20.0		
7	सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांन	23.6	एमएलडी	1179.6	553.9	589.8	235.9		
	कुल योग			**3119.6**	**935.9**	**1099.8**	**623.9**	**368.0**	**92.0**
मानसून के दौरान वर्षा के पानी की निकासी									
8	वर्षाती पानी की निकासी के लिए नई नालियों का निर्माण	186	किमी	1488	446.4	372.0	297.6	297.6	74.4
9	नालियों की सफाई के लिए आधुनीकरण उपकरण	अनुमानित		10	5.0	5.0			
10	स्वच्छता उपकरण	30	संख्या	3	0.9	0.8	0.6	0.8	
	कुल योग			**1501**	**452.3**	**377.8**	**298.2**	**298.4**	**74.4**
ठोस कचरा प्रबन्धन									
11	वेटब्रिज एट लैण्डफिल साईट	1	संख्या	2		2.0			

12	ट्रैक्टर ओर ट्रोली	4	संख्या	20	10.0	5.0	5.0		
13	ऑटोमेटिक रोड सफाई उपकरण	1	संख्या	7		7.0			
14	लीटर बिन्स (30 लीटर)	150	संख्या	4.5	2.3	2.3			
15	हाउस होल्ड बिन्स	7000	संख्या	21	10.5	5.3	5.3		
	कुल योग			**54.5**	**22.8**	**21.5**	**10.3**	**0.0**	**0.0**
रोड लाईट									
16	नई ट्यूबलाईट लगाना	6000		362.1		181.1	72.4	72.4	36.2
17	मानगंज क्षेत्र के आस–पास भूमि के अंदर बिजली केबिल बिछाना	अनुमानित		180			45.0	90.0	45.0
	कुल योग			**542.1**	**0.0**	**181.1**	**117.4**	**162.4**	**81.2**
सडको का निर्माण एवं यातायात की व्यवस्था									
18	आर.ओ.बी. (1 किमी)	1	किमी	400	200.0	200.0			
19	10 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था आवश्यकतानुसार	10000	वमर्गमीटर	95		38.0	28.5	19.0	9.5
20	ट्रैफिक सिगनल गांधी चौक	अनुमानित		3		3.0			
21	रोड सिग्नल सभी रोडों पर	52	किमी	26		10.4	7.8	5.2	2.6

22	सडकों का निर्माण व मरम्मत कार्य	408.1	किमी	408.1		61.2	163.2	81.6	102.0
23	शहर में नया बस स्टैण्ड स्थापित करना	अनुमानित		150		75.0	75.0		
	कुल योग			**1082.1**	**200.0**	**387.6**	**274.5**	**105.8**	**114.1**
खुला सुविधा क्षेत्र									
24	नये पार्कों का विकास	6		150	30.0	37.5	30.0	45.0	7.5
25	पार्कों में मनोरंजन सुविधाएं	8		32	8.0	16.0	8.0		
26	भारत स्काउट एवं गाईड के लिए सामुदायिक कॉम्पलेक्स का विकास, (चारदीवारी, विश्राम हाउस, मीटिंग हॉल, ऑफिस)	अनुमानित		250		125.0	125.0		
	कुल योग			**432**	**38.0**	**178.5**	**163.0**	**45.0**	**7.5**
शहर की वृद्धि एवं बाजारों का विकास									
27	थोक विक्रेताओं को शिफ्ट करना	अनुमानित		300	60.0	180.0	60.0		
	कुल योग			**300**	**60.0**	**180.0**	**60.0**	**0.0**	**0.0**
शहरी गरीब एवं हाऊसिंग योजना									
28	गरीब बस्तियों में 117 मकानों का निर्माण	117		117	23.4	93.5			

29	117 मकानों के लिए सुविधाएं	117	35.1	7.0	28.1				
	कुल योग			**152.1**	**30.4**	**121.4**	**0.0**	**0.0**	**0.0**
पर्यटक और विरासत संरक्षण									
30	एतिहासिक और धार्मिक सभी प्रकार की संरक्षणों की सूची	अनुमानित		2	2.0				
31	ऐतिहासिक धार्मिक अवेयरनेस कार्यक्रम	अनुमानित		5	2.5	2.5			
32	एतिहासिक धार्मिक संरक्षणों के मरम्मत कार्य	अनुमानित		100		25.0	25.0	25.0	25.0
33	मानगंज मण्डी रोड का विकास रोड सडक, विद्युत व्यवस्था फाउन्टेन और दरवाजों का पुनः निर्माण	अनुमानित		200		50.0	100.0	50.0	
34	महात्मा गाधी स्टेच्यू और चौक का विकास	अनुमानित		50		12.5	37.5		
	कुल योग			**357**	**4.5**	**90.0**	**162.5**	**75.0**	**25.0**
अरबन गवर्नेन्स									
35	नगरपालिका कर्मचारियों की ट्रेनिंग	अनुमानित		10		2.5	2.5	2.5	2.5
36	म्यूनीसिपल जीआईएस	अनुमानित		20		5.0	10.0	5.0	
37	वाटर सप्लाई	अनुमानित		10		2.5	5.0	2.5	
38	सम्पत्ति जीआईएस	अनुमानित		15		3.8	7.5	3.8	

	कुल योग			55	0.0	13.8	25.0	13.8	2.5

नगरीय विकास

विकास के नये आयाम :— दौसा जिले एवं शहर का समग्र त्वरित चहुमुखी विकास इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण गति पकड रहा है जिसमें दौसा गंगापुर रेलवे लाईन का निर्माण प्रस्तावित, एजूकेशन हब जो स्पेशियल एजूकेशन जोन, के रूप में होगा और जो दिल्ली मुम्बई औद्योगिक कोरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाकर उन्हीं के अनुरूप निर्धारित मानदण्डों पर दौसा शहर एवं जिले को सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक रूप में विकसित किया जाकर इन क्षेत्रों में नये आयाम स्थापित करेगा। विकास के साथ–साथ शहर में जनसंख्या दबाव भी बढेगा जिससे विभिन्न मानवीय आवश्यकताओं की मांग में भी बढोतरी होगी। नगरीय विकास में निम्न लिखित योजनाऐ प्रस्तावित है:—

1. **<u>जयपुर का सैटेलाइट टाउन – दौसा</u>**

दौसा राजस्थान की राजधानी जयपुर से मात्र 52 किमी की दूरी पर स्थित होकर समीपस्थ होने से जयपुर के सेटेलाईट टाउन के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक निर्धारित शैक्षणिक औद्योगिक एवं व्यापारिक व सामाजिक एवं सांस्कृतिक उच्चस्थ मानदण्ड की पूर्ति कर किया जा सकता है। दौसा जयपुर से समीपस्थ जिला मुख्यालय है अन्य बडे शहर मुख्यालय जैसे सीकर टोंक अजमेर किशनगढ कोटपूतल 100 किलोमीटर की परिधि में हैं। जयपुर के बढते हुए आबादी घनत्व को कम करने के लिए दौसा को सेटेलाईट टाउन के रूप में विकसित करने के लिए जो आवश्यक आधारभूत सुविधायें हैं उनका विकास कर जयपुर की बढती हुयी आबादी घनत्व की समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है।

2. **<u>एज्यूकेशन हब दॉ स्पेशियल इकोनोमिक जोन (सेज)</u>**

जिले में पहली बार लगभग 15000 बीघा राजकीय भूमि का लैण्ड बेंक बनाकर राज्य सरकार को प्रेषित कर निवेदन किया गया है कि इसको एजूकेशन कोरिडोर के काम में लिया जाये । जिले में पांच मॉडल स्कूल दिये गये हैं।

3. **दौसा आवागमन** :— दौस, जयपुर–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग एचएन 11 पर स्थित है राज्य के अन्य राष्ट्रीय राजमार्गो से निम्न प्रकार जुडा हुआ है :—

रा.रा.मार्ग नम्बर	नाम	दूरी (राज्य के भीतर के0मी0 में)
एनएएच 11	आगरा–भरतपुर–दौसा–जयपुर–सीकर–चूरू–बीकानेर	भरतपुर–करौली–दौसा–जयपुर–सीकर–चूरू–बीकानेर
एनएच 11 ए	दौसा–मनोहरपुर–वाया घटवाडी	दौसा–जयपुर
एनएच 11 ए	दौसा–लालसोट–कोथून	दौसा–टोंक
एनएच 11बी	लालसोट, गंगापुर–करोली,–धोलपुर	दौसा–धोलपुर–करोली–सवाईमाधोपुर

4. **स्टोन शिल्पग्राम** :– इसके अतिरिक्त गीजगढ, पीचूपाडा, कुढकटला, बैराउण्डा कैलाईरानोली आदि स्थानों पर भी उक्त कार्य किया जाता है। वर्तमान में सैण्ड स्टोन कार्विंग काय्र में लगभग 300 इकाइयां कार्यरत हैं। सैण्ड स्टोन के मुख्य उत्पाद जाली, खम्भे, फूलदान, लैम्प, जानवरों की आकृति, दरवाजे मंदिर, मूर्तियां एवं सजावटी सामान आदि है। इन उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जा रहा है। घरेलू बाजार एवं विदेशी बाजारों की बढती हुई मांग के अनुसार तथा जिले की बढती हुयी आधारभूत सुविधाओं के कारण सैण्ड स्टोन कार्विंग के उद्योग तेजी से स्थापित होंगे। सैण्ड स्टोन इकाईयों को एक जगह स्थापित किये जाने के उद्देश्य से सिकन्दरा के नजदीक गिरधरपुरा में स्टोन पार्क स्थापित किया जा रहा है। पार्क स्थापित होने से बडी इकाईयों स्थापित होंगी। विदेशी निर्यात को बढावा मिलेगा। ग्रेथ्पोल मेघा हाईवे से एवं एनएच 11 फोरलेन एवं रेलवे लाईन के दोहरीकरण सभी के माध्यम से इस धंधे का तेजी से विकास होगा।

स्टोन शिल्पग्राम किशनगढ मार्बल हब की तर्ज पर विकसित किया जायेगा जो कोर्डिनेशन ऑफ सेन्टर फोर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (C-DOS) एण्ड रीको के सहयोग से विकसित किया जायेगा।

5. **दिल्ली–मुम्बई इण्डस्ट्रियल कोरिडोर** :– जयपुर–दौसा को दिल्ली–मुम्बई इण्डस्ट्रियल कोरिडोर के एक पार्ट के रूप में चिन्हित किया गया हैं जैसे कि किशनगढ अजमेर औद्योगिक क्षेत्र। दौसा को ग्वारगम, फल सब्जी तेल एवं कपास की अधिकतम पैदवार प्राप्त होने के रूप में भी विकसित किया जा रहा है जिसका विवरण निम्न प्रकार है :–

नोड–8, जयपुर दौसा औद्योगिक क्षेत्र (IR)

सामग्री (कम्पोनेंट)	जयपुर दौसा (IR-Min. 100 sqkm)
नोड नम्बर	8
इन्टग्रेटेर लोजिस्टिक अब/पार्ट/टर्मीनल/ट्रक टर्मीनल	ट्रक टर्मीनल+वेयर हाउस
एयरपोर्ट डवलपमेंट (हवाई अड्डा)	जयपुर
रेलवे लाईन	जयपुर–आगरा बीजी लिंग
फीडर रोड्स	एचएन 11

6. मास्टर प्लान दौसा–लालसोट–बांदीकई

दौसा जिले मुख्यतः तीन बडे शहरी क्षेत्र हैं दौसा–लालसोट–बांदीकुई। वर्तमान में दौसा मुख्यालय के आस पास की जनता के लिए आर्थिक सम्बल का केन्द्र होने के साथ साथ लोगों के रोजगार एवं शिक्षा का मुख्य केन्द्र है। दौसा के भौतिक विकास के लिए 2011 तक का मास्टर प्लान निर्मित है वर्तमान में भविष्य की सभांवनाओं का आंकलन करते हुए मास्टर प्लान 2030 टाउन प्लानिंग विभाग द्वारा बनाकर राज्य

सरकार को भिजवाया गया है। जिसमें 21 नये राजस्व गांव शामिल किये गये हैं। इसी प्रकार मास्टर 2030 बांदीकुई व लालसोट के लिए भी तैयार किया जा रहा है। नगरीय विकास विभाग,राजस्थान सरकार,जयपुर द्वारा अधिसूचना दिनांक 25.5.2010 के द्वारा राजस्थान नगर सुधार अधिनियम,1959 (अधिनियम संख्या 35/1959) की धारा 3 की उपधारा 1 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दौसा जिले के 21 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित करते हुए अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक (मास्टर प्लान) राजस्थान,जयपुर को दौसा नगर के नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित कर, सिविक सर्वे करने एवं क्षतिज वर्ष 2031 का मास्टर प्लान तैयार करने हेतु नियुक्त किया है ।

दौसा क्षेत्रीय डवलपमेंट ऑथोरिटी

दौसा की जयपुर मुख्यालय से समीपता को देखते हुए दौसा को जयपुर के एक सैटेलाईट टाउन के रूप में विकसित करने की दृष्टि से प्रस्तावित टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग के अंतर्गत दौसा में दौसा **क्षेत्रीय डवलपमेंट ऑथोरिटी** के गठन का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रेषित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इस प्रस्ताव का परीक्षण करवाया जा रहा है । दौसा को प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त होते ही दौसा जिले की भावी आवश्यकताओं को देखते हुए दौसा का मास्टर प्लान भी प्रस्तावित किया जावेगा ।

दौसा शहर के लिए आवासीय योजनाएं, सांस्थानिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों का विकास एवं दौसा शहर को राजधानी से जोडने के लिए मोनो रेल एवं मेट्रो ट्रेन की संभावना की तलाश भी की जावेगी जिससे जयपुर शहर पर बढता आबादी का दबाव कम हो सके । दौसा शहर को अन्य कस्बो एवं बडे शहरों से जोडने की योजना को भी मूर्तरूप दिया जावेगा ।

दौसा क्षेत्रीय डवलपमेंट ऑथोरिटी के गठन के पश्चात् दौसा एवं जयपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 के दोनों ओर विभिन्न प्रकार की आवासीय योजनाओं का विकास किया जाएगा । इन आवासीय योजनाओं में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिछडे वर्गो के लिए विशेष आवासीय भूखण्डों की व्यवस्था की जावेगी जिससे वर्ष 2030 तक जिले के सभी कमजोर एवं पिछडे वर्गो के साथ–साथ अनुसूचित जाति एवं जन जाति एवं घूमन्तू परिवारों का भी पुर्नवास हो सकेगा । इससे घूमन्तू परिवारों के समाज प्रस्तावित विकासोन्मुखी योजनाओं का लाभ उठाकर समाज की मुख्यधारा से जुडे जायेंगे ।

औद्योगिक विजन – 2030

दौसा जिले का औद्योगिक विकास आने वाले समय में द्रुतगति से होगा। दौसा के औद्योगिकीकरण को गति प्रदान करने के प्रमुख कारण है ग्रोथ पोल योजना, स्टोन पार्क, कालीन पार्क, औद्योगिक क्लस्टर विकास, मार्केटिंग हेतु स्थाई विपणन केन्द्र ग्रामीण हाट, एनएच 11 का फॉरलेनिंग, मेघा हाईवे एवं गंगापुर रेलवे लाईन तथा प्रस्तावित शैक्षणिक हब प्रमुख हैं।

1. **ग्रोथपोल योजना** :

ग्रोथपोल योजना भारत सरकार की योजना है। ग्रोथपोल योजना का उद्देश्य दौसा जिले के सिकन्दरा फोकस पॉइन्ट मानते हुए 15 से 20 किमी की परिधि क्षेत्र में ढांचागत विकास कर विभिन्न गतिविधियों को विकसित करना है। असंगठित क्षेत्र के उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय आयोग (National Commission Enterprises of unorganized Sector) द्वारा देश में स्वीकृति 04 ग्रोथपोल में से एक है। ग्रोथपोल योजना को लागू करने हेतु क्षेत्र का विस्तृत इकोनोमिक सर्वे एवं प्लान तैयार किया गया है जिसके तहत स्टोन, कारपेट, लेदर , पर्यटन दरी उद्योग खद्दय क्षेत्र ब्रास उद्योग लकडी सेक्टर पर एनसीईयूएस भारत सरकार राजस्थान सरकार एवं अन्य संस्थाओं द्वारा 28868 लाख रूपये व्यय किये जायेंगे। प्रोजेक्ट क्रियान्वित अवधि 5 वर्ष में ग्रोथपोल योजना में 5.00 लाख व्यक्ति लाभान्वित होंगे। इससे इस क्षेत्र का समग्र विकास होगा एवं सिकन्दरा एक बडे ट्रेड सेन्टर के रूप में विकसित होगा।

वर्ष	निवेश	रोजगार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष)
2030	28868 लाख	5 लाख

2. **स्टोन पार्क** :–

जिले में सैण्ड स्टोन कटिंग एवं कार्विंग का कार्य एनएच 11 के दोनों ओर सिकन्दरा से मानपुर तक विकसित है। इसके अतिरिक्त गीजगढ, पीचूपाडा, गुढाकटला, बैराउण्डा कैलाईरानोली आदि स्थानों पर भी उक्त कार्य किया जाता है। वर्तमान में सैण्ड स्टोन कार्विंग कार्य में लगभग 300 इकाइयां कार्यरत हैं। सैण्ड स्टोन के मुख्य उत्पाद जाली, खम्भे, फूलदान, लैम्प, जानवरों की आकृति, दरवाजे मंदिर, मूर्तियां एवं सजावटी सामान है। इन उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जा रहा है। घरेलू बाजार एवं विदेशी बाजारों की बढती हुई मांग के अनुसार तथा जिले की बढती हुयी आधारभूत सुविधाओं के कारण सैण्ड स्टोन कटिंग के उधोग तेजी से स्थापित होंगे। सैण्ड स्टोन इकाईयों को एक जगह स्थापित किये जाने के उद्देश से सिकन्दरा के नज़दीक गिरधरपुरा में स्टोन पार्क स्थापित किया जा रहा है। पार्क स्थापित होने से बडी इकाईयों स्थापित होंगी। विदेशी निर्यात को बढावा मिलेगा। ग्रेथपोल मेघा हाईवे से एवं एनएच 11 फोरलेन एवं रेलवे लाईन के दोहरीकरण सभी के माध्यम से इस धंधे का तेजी से विकास होगा।

वर्ष	स्थापित इंकाईयां	निवेश	रोजगार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष)
2010	300	35 करोड	12000
2030	1250	125 करोड	42000

3. **कालीन पार्क** :–

दौसा जिले में भाण्डारेज ग्राम में स्थापित होने वाला कालीन पार्क भारत का प्रथम कालीन पार्क होगा। दौसा जिले में कालीन पार्क स्थापित किये जाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग 11 से लगभग 5 किमी पर स्थित ग्राम भाण्डारेज में 132 एकड भूमि आवंटित की गई है। कार्पेट

पार्क में लघु स्तर की 16 इकाईयां, मध्यम स्तर की 9 एवं वृहद स्तर की 5 इकाइयां कुल 30 इकाईयां स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। प्रोजेक्ट के अनुसार करीब 12500 वर्गफुट कारपेट प्रतिदिन उत्पादन किया जाना प्रस्तावित हैं वर्ष 2020 तक कालीन पार्क में कुशल एवं अर्द्धकुशल श्रेणी के लगभग 1 ला,ख कामगारों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार दिया जा सकेगा। इसकी परियोजना लागत 112.84 करोड रूपये है। कालीन पार्क की स्थापना से जिले की आधारभूत संचरनाओं का विकास होगा। जिससे काफी संख्या में छोटे बडे कालीन निर्माण ओद्यौगिक इकाईयों की स्थापना होगी :–

वर्ष	स्थापित इकाईयां	निवेश	रोर्जगार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष)
2010	30	112.84 करोड	1.00 लाख
2030	65	245.00 करोड	2.16 लाख

4. ग्रामीण हाट

ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजनांतर्गत विशिष्ट परियोजना स्थानीय विपणन केन्द्र ग्रामीण हाट की स्थापना की गई। यह हाट नेशनल हाईवे 11 पर कलेक्ट्रेट चौराहा पर स्थित है।
परियोजना का मुख्य उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों, ग्रामीण दस्तकारो, स्वयं सहायता समूहों स्वरोजागरियों एवं लघु उद्यमियों को उनके उत्पादों के विपणन मौके पर सहयोग प्रदान करने हेतु एक स्थायी स्थान उपलब्ध करना है। ग्रामीण दस्तकारों के उत्पादों का विस्तृत प्रदर्शन दस्तकारों को नवीनतम उत्पाद डिजाईन से अवगत कराना, ग्रामीण दस्तकारों व उपभोक्ताओं के मध्य सीधा संवाद स्थापित करना लघु उद्यमियों को स्थानीय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्टीय बांजार तक पहुचाना एवं ग्रामीण दस्ताकरों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान व आत्म विश्वास बढाना ग्रामीण हाट के प्रमखु उद्देश्य हैं । इसमें 70 लाख रूपये व्यय होगें एवं वर्ष 2030 तक 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

5. औद्योगिक क्षेत्र :–

दौसा जिले में 4 औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है। औद्योगिक क्षेत्र दौसा में 93 भूखण्ड है जिन में से 87 प्लाट्स आवटित किये जा चुके हैं तथा 86 इकाईयां स्थापित हैं। डीडवाना लालसोट में 219 भूखण्ड हैं। जिनमें से 203 आंवटित किये जा चुके हैं तथा 128 इकाईयां कार्यरत हैं। बापी औद्योगिक क्षेत्र में 109 औद्योगिक भूखण्ड हैं जिनमें से 66 में उत्पादन हो रहा है। कोलाना बांदीकुई औद्योगिक क्षेत्र में 131 भूखण्ड हैं जिनमेंसे 40 में स्थापित हैं।

औद्योगिक क्षेत्र का परिदृश्य

क्र..सं.	औद्योगिक क्षेत्र का नाम	क्षेत्रफल (एकड)	नियोजित भूखण्ड संख्या	आवंटित भूखण्ड संख्या	भूखण्ड उत्पादनरत संख्या	विनियोजन लाख रू	रोजगार प्रत्यक्ष/अप्रत्य संख्या	वर्ष 2030 प्रस्तावित	
								विनियोजन लाख रू	रोजगार संख्या
1	औ0क्षे9 दौसा	27.28	93	87	86	500	4000	1000	6200
2	डीडवाना लालसोट	100.00	219	203	128	1700	13000	6000	17000
3	बांदीकुई	71.31	131	115	40	380	2500	800	9800
4	बापी	146.10	109	104	66	2100	6500	9000	23000
	योग	**344.69**	**552**	**509**	**320**	**46.80**	**26000**	**168.00**	**56000**

जिले की विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों में 2010 तक एवं 2030 तक संभावित निवेश एवं रोजगार का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	औद्योगिक गतिविधि का नाम	वर्ष 2010		वर्ष 2030	
		निवेश	रोजगार प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष	निवेश	रोजगार प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष
1	ग्रोथ पोल योजना			288.68 करोड	2.44 लाख
2	स्टोन पार्क	35 करोड	0.12 लाख	125.00 करोड	0.50 लाख
3	कालीन पार्क	2.48 करोड	0.09 लाख	245.00 करोड	2.06
4	औद्योगिक क्ष्ज्ञेत्रों में स्थापित उद्योग इकाइर्या	46.80	0.26	168.00	0.56
5	ग्रामीण हाट	0.70	0.001	0.70	0.12
	योग	**84.98 करोड**	**0.47 लाख**	**807.38 करोड**	**5.68 लाख**

शिक्षा क्षेत्र

दौसा जिले की आबादी–2001 की जनगणना के अनुसार पुरूष–693438 व स्त्री–623625 कुल 1317063 है जो कि 2011में पुरूष 863632 स्त्री 777268 कुल 1640900 की संम्भावना है। 0–6 आयु वर्ग के बालक–बालिकाओं की संख्या–2001 में 264978 जनसंख्या वृद्धि दर के अनुसार–2011 में यह जनसंख्या 336652 2020 में 427740 एवं 2031 542229 सम्भावित है। इस आयु वर्ग में 4 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बालक बालिकाएं विद्यालय में प्रवेश के पात्र है। गत वर्षो के नामाकंन के अनुसार प्रति वर्ष प्रथम कक्षा में औसतन 60000 (लगभग) बच्चे नामाकिंत होते है। लेकिन उच्च प्राथमिक स्तर के लर्गभग 55 प्रतिशत व माध्यमिक स्तर के लगभग 38.05 प्रतिशत बालक/बालिकाएं पढ़ाई पूरी करते है। अर्थात उच्च प्राथमिक स्तर पर 45 प्रतिशत स्तर पर 61.05 प्रतिशत ड्राफ्ट आउट है। जिले में (राजकीय विद्यालय) प्राथमिक विद्यालय 1031, उच्च प्राथमिक विद्यालय 586 माध्यमिक विद्यालय 219 व उच्च माध्यमिक विद्यालय 78 संचालित है तथा प्राथमिक शिक्षा में 28 व माध्यमिक शिक्षा में 33 छात्र शिक्षक अनुपात है यद्यपि यह अनुपात राष्ट्रीय औसत के करीब है, लेकिन शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की आवश्यकता के अनुसार शिक्षक पदस्थापन में असमानीकरण है। पुरूष व महिला शिक्षकों का अनुपात देखे तो 3518 पुरूष शिक्षकों की तुलना में मात्र 441 महिला शिक्षक है प्रारम्भिक शिक्षा में यह कम अन्तर होना चाहिए।

यदि आंकड़ों का विश्लेषण करे तो 2020 में 2034715 तथा 2030 में 2523046 जनसंख्या सम्भावित है जिनमें 0–6 आयु वर्ग की क्रमशः 427740, 542229 जनसंख्या सम्भावित है। 2030 तक की आवश्यकताओं का आकंलन शत प्रतिशत नामाकंन एवं ड्राप आउट रेट को न्यून करने से नवीन विद्यालय प्रावि व उप्रावि 1625 तथा अतिरिक्त कक्षा कक्ष 1953 एवं प्रावि शिक्षक 3205 व माध्यमिक 1968 की आवश्यकता होगी साथ ही इसी अनुपात में अतिरिक्त शौचालय लगभग 3000 सैट की आवश्यकता होगी। 625 विद्यालय में अति. पेयजल व्यवस्था करने की आवश्यकता का आकंलन किया गया है। शिक्षा के प्रसार को ध्यान में रख उच्च शिक्षा के लिए भी जिले के प्रत्येक ब्लॉक में महिला महाविद्यालय की आवश्यकता होगी।

समग्र आंकलन के पश्चात जिले में विजन 2030 की आवश्यकताओं का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र.सं.	मद	सत्र	
		2020	2030
1	अति. शिक्षक	3623	1350
2	विद्यालय	400	225
3	अति. कक्षा कक्ष	1953	500
4	मॉडल विद्यालय	8	08
5	बालिका छात्रावास	10	10

6	महिला महाविद्यालय	0	5
7.	तकनीकी महाविद्यालय	2	5

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक दौसा

जनसंख्या	**प्रस्तावित**								
	2011			2021			2031		
	M	**F**	**T**	**M**	**F**	**T**	**M**	**F**	**T**
शहरी	112272	98013	210285	139217	121536	260753	172629	150704	323333
ग्रामीण	751360	679255	1430615	931686	842276	1773962	1155291	1044422	2199713
अजा	190000	166335	356335	235600	206255	441855	292144	265756	557900
अजजा	233180	207919	441099	289143	257719	316962	258537	319696	678233
कुल	**863632**	**777268**	**1640900**	**1070903**	**963812**	**2034715**	**1327920**	**1195126**	**2523046**

जनसंख्या	**1991**			**2001**			**वृद्धि दर**		
	M	**F**	**T**	**M**	**F**	**T**	**M**	**F**	**T**
	1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
शहरी	78.07	40.88	60.77	90.12	62.54	77.13	12.05	23.66	16.36
ग्रामीण	54.15	10.90	33.96	79.19	40.83	61.02	25.04	29.33	27.06
कुल	55.75	14.15	36.86	79.40	42.30	61.80	22.65	28.15	24.94

औपचारिक शिक्षा (विद्यालयों की संख्या)	**आवश्यकता का आंकलन**		
	2010	**2020**	**2030**
प्रावि	1031	1237	1330
उप्रावि	586	712	800

औपचारिक शिक्षा (विद्यालयों की संख्या)	1991			2001			आवश्यकता का आंकलन		
							2010	2020	2030
	M	F	T	M	F	T			
मावि	59	11	70	138	10	148	217	269	290
उमावि	14	02	16	52	11	63	78	94	100

नामाकंन	2001			2010			प्रस्तावित					
							2020			2031		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
प्रावि	117584	89789	207373	125322	114075	239400	150386	136890	287276	180463	164268	344731
मावि	33926	12178	46104	36061	22669	58730	42273	27202	70475	51927	32642	84569
उमावि	36960	9737	46697	67046	33387	100433	80455	40064	120519	96546	48076	144622

जनसंख्या				प्रस्तावित								
	2001			2011			2021			2031		
	M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T
	139030	125948	264978	177958	158694	336652	227786	199954	427740	291566	250163	542229

ड्राप आउट	2010	2020	2030
उप्रावि	45%	0%	0%
मावि	61.5%	42%	23%

वर्तमान समय में छात्र अध्यापक अनुपात संतोषजनक नही, है एवं इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवता पर पडता है। विजन 2030 के अनुसार अनुमानित आवश्यकताओं में वृद्वि का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्रम सं0	मद	सत्र	
		2020	2030
1	अति शिक्षक	3623	1350
2	विद्यालय	400	225
3	अति0 कक्षा कक्ष	1953	500
4	मॉडल विद्यालय	08	08
5	बालिका छात्रावास	10	10

सडक एवं मूलभूत सुविधाएं

दौसा जिले की स्थापना 10 अप्रैल 1991 में हुई इस दौरान जिले में चार पंचायत समिति दौसा, लालसोट, सिकराय, एवं बान्दीकुई के तत्पश्चात सवाई माधोपुर जिले की तहतसील महवा को भी दौसा जिले में शामिल कर दिया गया इस दौरान 1991–92 से 2000 तक जिले में 776 राजस्व ग्राम थे जिसमें से 110 ग्राम को डामर सडको से जोडकर जिले में 750.00 किमी. डामर सडक की लम्बाई हुई।

वर्ष 2001–2020 तक जनगणना 2001 की आबादी के अनुसार 1025 कुल राजस्व ग्राम स्वीकृत हुए। जो विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2001 से 2010 तक 673 ग्रामों को जोडने के उपरान्त दौसा जिले की सडको की कुल लम्बाई 2225.41 किमी. हो गयी।

वर्ष 2011 –2020 तक इस जिले निम्न कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है।

1. प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत 110 ग्राम में 215.80 किमी. डामर सडक निर्माण कर राशि रूपये 5925.55 लाख के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाये जा चुके है।

2. प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत सर्वे 2003 के अनुसार 250 से अधिक आबादी के 169 हैबिटेशन को 215.8 किमी. लम्बाई में डामर सडक निर्माण हेतु रू0 8610.75 लाख रू0 के प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाये जा चुके है।
3. मिसिंगलिंक योजना के अन्तर्गत 148 कार्यो के 451.65 किमी. लम्बाई में राशि रू0 11696.90 लाख का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।
4. मनरेगा योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्य में ग्रेवल सडकों द्वारा गांवों को जोडनें का कार्य किया जा रहा है। इन ग्रेवल सडको को डामर सडक में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत निर्माण किया जाना भी प्रस्तावित है।

विजन 2030 : डामर सड़कों एवं ग्रामों की स्थिति का विवरण

क्रम सं0	वर्ष	सड़क की लम्बाई (किमी.)	विजन 2035 के अन्तर्गत सड़क निर्माण (कि.मी.)	सड़क की कुल लम्बाई (किमी.)	सड़क से जुड़े ग्राम	बिना सड़कों से जुड़े शेष ग्राम	ग्रामों की कुल संख्या
2	2001—2010 तक	750.00	1475.70	2225.41	783	242	1025
3	2011—2020 तक	2225.41	213.70	2439.11	885	140	1025
4	2020—2030 मे तक	2439.11	283.00	2722.11	1025		जिले के सम्पूर्ण ग्राम

आवासन

दौसा कस्बा राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 11 व 11 ए के जंक्शन पर राज्य की राजधानी से 60 किमी पूर्व में स्थित है। अतः इसकी भौगोलिक स्थिति राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मार्ग, जिला मुख्यालय एवं राज्य राजधानी के निकट होने के कारण महत्वपूर्ण है तथा विकास की असीम संभावनाऐ है। देश के विभिन्न स्थानों से सुगम आवागमन एवं विकास के साथ –साथ शहर की जनसंख्या भी बढेगी, जनसंख्या की उत्तरोतर वृद्धि के अनुपात में रिहायशी भवनों के निर्माण की भी आवश्यकता होगी अतः भविष्य में आवासों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए आवासन मण्डल ने दौसा शहर की आवासीय आवश्यकताए का **विजन–2030** तैयार किया गया है।

1. आवासन मण्डल एक दृष्टि में :–

दौसा शहर में आवासन मण्डल की गतिविधियाँ वर्ष 1988 में शुरू हुई थी। गुप्तेश्वर रोड पर शिक्षक कॉलोनी एवं राम मंदिर के मध्य भूमि का चयन कर राजस्थान सरकार के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवचरण माथुर द्वारा कॉलोनी के आधार शिला रखी थी। राज्य सरकार द्वारा 45 बीघा चारागाह भूमि का आवंटन किया था जिसका कब्जा दिनांक 10.09.1989 को मण्डल को प्राप्त हो गया था उक्त भूमि

पर मण्डल द्वारा 756 आवासों का निर्माण कर जरूरतमन्द लोगो को कब्जा संभवला दिया गया है। यह कॉलोनी आज गुप्तेश्वर रोड हाऊसिंग बोर्ड का नाम से जानी जाती है।

दौसा शहर में ही कलेक्ट्रेट के नजदीक खान भांकरी रोड पर प्रथम चरण में दौसा खुर्द स्थित खं. नं. 1177 में से 7.50 है0 चारागाह भूमि का आवंटन हुआ तत्पश्चात द्वितीय चरण में इसी भूमि से लगती हुई महेश्वरा खुर्द के विभिन्न खसरों की 7.13 है0 राजकीय चरागाह भमि का आवंटन आवासन मण्डल को हुआ है। दोनों भूमियों 7.50 है0 कुल 14.63 है0 भूमि में कुल 503 आवासों की प्लानिंग कर कुल 455 आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू कर दिया जायेगा।

इसके अलावा दौसा शहर में आवासों की भावी आवश्यकताओं को देखते हुए एवं विजन 2030 की क्रियान्विति हेतु निम्न स्थानों पर भूमि अवाप्ति /आवंटन की कार्यवाही विचाराधीन है।

क्र. सं.	स्थान	भमि का क्षे.फ.	भूमि की किस्म	वर्तमान स्थिति
1	खान भांकरी रोड (ग्राम महेश्वरा खुर्द)	1.32 है0	निजी खातेदारी	धारा–4(1)की कार्यवाही हो चुकी है।
2	खाने भांकरी रोड (दौसा खुर्द)	5.05 है0	निजी खातेदारी	धारा–4(1)की कार्यवाही हो चुकी है।
3	खाने भांकरी रोड (ग्राम महेश्वरा खूर्द दौसा खुर्द भांकरी खुर्द)	27.34 है0	निजी खातेदारी	धारा–27 की कार्यवाही हो चुकी है।
4	आगरा रोड (ग्राम खेडली सुरजपुरा)	41.91 है0	निजी खातेदारी	धारा–27 के लिए नगररीय विकास विभागके पास प्रस्ताव विचाराधीन है।
5	आगरा रोड (ग्राम खेडली सुरजपुरा)	48.88 है0	राजकीय चरागाह	जिला कलेक्टर दौसा के पास विचाराधीन है।
6	लालसोट रोड	18.93 है0	राजकीय चरागाह	जिला कलेक्टर दौसा के पास विचाराधीन है।

दौसा शहर के साथ–साथ जिले के बॉदीकुई, महुवा लालसोट, मेहन्दीपुर बालाजी व करौली जिले के टोडाभीम कस्बे में भी भूमि आवाप्ति के प्रकरण विचाराधीन है।

2. प्रशासनिक ढॉचा :–

दौसा में आवासन मण्डल का उपखण्ड कार्यालय वर्ष 1990 से कार्यरत है इस कार्यालय का प्रभारी परियोजना अभियन्ता (वरिष्ठ) है। जिसके अधीन एक परियोजना अभियन्ता (कनिष्ठ) एक सुपरवाईजर तथा चार हैल्पर कार्यरत है। इस कार्यालय का प्रशासनिक नियंत्रण खण्ड–ग्यारह, जयपुर के अधीन है।

आवंटियों के समस्त कार्य खण्ड कार्यालय द्वारा संपादित किये जाते है। जिससे आवंटियों को समय की हानि होती है एवं साथ ही परेशानियों का भी सामना करना पडता है। अतः आवंटियों की सुविधा तथा मण्डल की गतविधियों को सुचारू रूप से चलाने एवं कार्य क्षेत्र में विस्तार करने हेतु 2030 तक जिला मुख्यालय दौसा पर खण्ड –कार्यालय खोला जाना प्रस्तावित है।

3. भविष्य की संभावनाऐं :–

आवासन मण्डल द्वारा दौसा शहर में किये गये आवासों के निर्माण एवं आवश्यकता अनुसार इनकी संख्या में वृद्वि का विवरण इस प्रकार है :–

क्रं. सं.	वर्ष	निर्मित आवासों की कुल संख्या
1	2010	1211
2	2020	4800 (प्रस्तावित)
3	2030	2400 (प्रस्तावित)

उक्त आवासों के निर्माण बाबत् लगभग 300 है0 भूमि की आवश्यकता होगी। जिसे आवश्यकतानुसार अधिग्रहण की जाएगी।

4. निष्कर्ष :–

यद्यपि आवासन मण्डल द्वारा विकसित आवासीय योजनाऐ पूर्णत सुनियोजित एवं मुलभूत सुविधाओं से युक्त तथा वैज्ञानिक दृष्टि से पूर्ण होती है। परन्तु इसकी सही एवं उचित क्रियान्वन हेतु स्थानीय निकाय (नगरपालिका), जन0 स्वा0 अभि0 विभाग, विद्युत वितरण निगम एंव जिला प्रशासन का सहायोग आवश्यक अपेक्षित होता है। विजन 2030 के तहत एक कार्य योजना बनाकार जिले के इन सभी विभागों की एक समिति बनायी जाएगी जिससे सभी विभागों में संमन्वय सुनिश्चित किया जा सके एवं प्रस्तावित आवासीय योजना समय पर पूर्ण हो सके। भविष्य में जिले में एवं जिले के अन्य कस्बों की आवासीय आवश्यकताओं हेत भवन निर्माण में आवासन मण्डल अपनी भागीदारी निभाने हेतु सदैव तत्पर है।

परिवहन सेवाए

जिले में अपार विकास की संभावनाएं है एवं दौसा जिले की भौगोलिक स्थिति यहां पर स्वतः ही यात्री भार बढाता है क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 11 व 11 ए के कारण संधन परिवहन है। दौसा आगार से वर्तमान में संचालित मार्गों पर वाहनों की संख्या में यात्री भार औसत व वर्ष 2010 में यात्री भार औसत एवं वर्ष 2030 में यात्री भार औसत निम्नानुसार संभावित है –

क्र.सं.	मार्ग का नाम	वर्ष	वाहनों की संख्या	यात्री भार	वर्ष	वाहनों की संख्या	यात्री भार	वर्ष	वाहनों की संख्या	यात्री भार
1	सैथल गोला का बास	2010	10	79	2020	20	81	2030	30	83
2	दौसा बॉदीकुई अलवर	2010	20	81	2020	40	83	2030	60	85
3	दौसा बैरावण्डा गढमोरा हिण्डौन	2010	6	61	2020	12	63	2030	26	65
4	दौसा लालसोट गगांपुर करौली	2010	40	84	2020	80	86	2030	120	88
5	दौसा –सवाईमाधोपुर	2010	10	62	2020	20	64	2030	30	66
6	दौसा, आंधी ज़मवारामगढ, जयपुर	2010	6	85	2020	8	57	2030	12	59
7	दौसा, भरतपुर एंव अन्तरराजीय मार्ग	2010	115	55	2020	230	87	2030	345	89

दौसा जिला रेल एवं सडक मार्ग से जुडा हुआ है एवं जिले का नजदीकी हवाई हड्डा जयपुर में है। राज्य में मोटर यानों/नौका यानों के नियमन, नियंत्रण, पंजीयन एवं नवीनीकरण करारोपण एवं कर वसूली चालकों एवं परिचालकों को लाईसेंस एवं उनका नवीनीकरण करने जन सुविधा हेतु नवीन मार्गों को प्रारम्भ करना एवं पुराने मार्गों का विस्तार, वाहनों का निरीक्षण, जनता को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मोटरयानों, टैक्सियों, भार वाहनों आदि के परमिट प्रदान करना। राज्य मार्गों पर सडक सुरक्षा, कार्यक्रम की क्रियान्विती, वाहन जनित प्रदूषण नियंत्रण के उपाय आदि कार्यों का सम्पादन किये जाने हेतु विभाग का गठन किया गया है।

जिले में बढते हुए वाहनों एवं सडकों की संख्या के कारण सडक दुर्घटनाओं में बढोतरी एवं वायु प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण एक चुनौती के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। विजन 2030 के अनुरूप जिले में वार्षिक सडक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है जिसमें विभिन्न सहायता समूहों से सहयोग लेकर सडक दुर्घटनाओं में कमी का प्रयास किया जाएगा तथा 500 से अधिक आबादी वाले सभी गांवों को परिवहन सेवा से जोडा जाएगा।

वर्तमान समय में जिले में सडक मार्ग एवं पंजीकृत वाहनों का विवरण निम्न प्रकार है :–

सडक :–

क्र.सं.	राष्ट्रीय राजमार्ग	राज्य उच्च मार्ग	मुख्य जिला सडक	अन्य जिला सडक	ग्रामीण सडक	कुल लम्बाई
कुल सं.	4	6	2	—	—	—
मार्ग सं.	11,11ए11एए,11बी	2,22,24,25,29अ, 35	48,63	—	—	—
लम्बाई कि0मी0	168	148	146	156	1100	1718

पंजीकृत वाहन

मो. रिक्शा	दो पहिया	जीप	कार	ट्रेक्टर	ऑटोरिक्शा	टैम्पो यात्री	बस	टैक्सी मैक्सी	भार वाहन	अन्य	योग
—	49861	1945	1273	7805	570	172	719	546	2029	69	64989

विभाग द्वारा जिले के निम्न मार्गों पर वाहनों की संख्या बढाने हेतु जारी किये गये परमिटों का विवरण निम्न प्रकार हैं :— बांदीकुई—मण्डावर—8, :— बांदीकुई बस स्टेण्ड से बालाजी—15, बालाहेडी—बांदीकुई—4, महुआ—टोडाभीम—1, सिकन्दरा चौराहा—गुढाचन्द्रजी—7, दौसा—बांदीकुई वाया देलाडी 5, दौसा—बांदीकुई वाया गुढा कटला 13, दौसा—बोली वृ0 रामबास 25, दौसा—पीलवा 1, दौसा—गोला का बास 2, दौसा—सिकराय एकीकृत 6, दौसा—गंगापुर 21, दौसा—गुढाचन्द्रजी 19, तूंगा—लालसोट वृ0 गोल 4, लालसोट—सिकन्दरा 15,, लालसोट—कोथून—मित्रपुरा 2 आदि।

परिवहन सेवा से जुडे हुये एवं वंचित ग्रामों का विवरण :—

उपखण्ड	तहसील	ग्राम	500 से अधिक आबादी वाले ग्रामों में परिवहन सेवा		
		5000 से अधिक आबादी वाले ग्राम	कुल ग्राम	वंचित ग्राम	जुडे हुए ग्राम
दौसा	दौसा	7	159	93	66
लालसोट	लालसोट	3	166	94	72
बांदीकुई	बांदीकुई	3	156	102	54

सिकराय	सिकराय	5	115	29	86
महुआ	महुआ	2	114	’6	18
योग		**20**	**710**	**414**	**296**

दौसा के लिये जयपुर से दौसा एवं आगे के लिये परिवहन निगम की तरफ से 140 बसों की एकल सेवा है। अर्थात निगम की 140 बसें आती हैं तथा 140 बसे जाती हैं। जयपुर से दौसा के बीच लगभग 30 मिनी बसें एवं 20 बसें संचालित हो रही हैं। जयपुर से दौसा होते हये भरतपुर/आगरा की तरफ लगभग 50 बसें निजी संचालित हैं तथा लगभग 30 टैक्सी जीप एवं टैम्पों टेरेक्स भी संचालित हैं। जयपुर से दौसा के बीच प्रतिदिन 8000 यात्रियों का आना जाना है।

जिले में बस स्टेण्ड/शेल्टर की स्थिति एवं प्रस्ताव :– वर्तमान में दौसा एवं विभिन्न कस्बों में निर्मित बस स्टेण्ड यात्री भार के अनुरूप नही है एवं बढते हुए यात्री भार के मध्यनजर विजन 2030 के तहत आंकलन की आवश्यकताओं का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र.सं.	शहर/कस्बा का नाम	वर्तमान स्थिति	प्रस्ताव	प्रस्तावित संस्था	प्रस्तावित समयावधि
1	दौसा	1. नगर का बस स्टेण्ड है, 2. निजी वाहनों का स्टेण्ड है	1. निगम के मुख्य बस स्टेण्ड का निर्माण जारी है। 2. मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	निर्माणाधीन 1–2 वर्ष
2	बांदीकुई	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
3	बसवा	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
4	सिकन्दरा	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
5	सिकराय	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
6	मानपुर	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
7	महुआ	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
8	बालाजी मोड	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष
9	लालसोट	निगम एवं निजी बस स्टेण्ड नहीं है	मूलभूत सुविधायुक्त संयुक्त बस स्टेण्ड वांछित है।	स्थानीय निकाय	2–3 वर्ष

बाईपास सडकें :–

दौसा रेलवे स्टेशन के पास फाटक आम तौर पर बंद रहता है, जिससे यातायात बाधित होता है एवं जनता को बडी असुविधा होती है। काफी समय नष्ट होता है जयपुर–दौसा रोड से लालसोट रोड पर जाने के लिये लालसोट रोड से दौसा–भरतपुर की तरफ जाने के लिए बाईपास रोड का निर्माण कार्य चालू है। जिले में वर्तमान मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अत्यावश्यक बाईपास निम्नानुसार प्रस्तावित है :–

क्र.सं.	शहर/कस्बे का नाम	मार्ग का नाम	आवश्यकता महत्व निर्माण हेतु	प्रस्तावित समयावधि
1	दौसा	दौसा–भरतपुर एनएच 11	दौसा–भरतपुर एनएच 11 दूध डेयरी के सामने तिवाडी अस्पताल के पीछे होकर लालसोट बाईपास का प्रस्ताव देना	सा0नि0वि0 द्वारा तय समय अनुसार
2	लालसोट	लालसोट	यातायात सलाहकार समिति की बैठक में विचाराधीन है	सा0नि0वि0 द्वारा तय समय अनुसार
3	महुआ	महुआ	राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार द्वारा जयपुर–आगरा 4 लाईन का कार्य होने से बाईपास का निर्माण होना	सा0नि0वि0 द्वारा तय समय अनुसार

राज्य सरकार द्वारा बनाये गये मास्टर ट्रांसपोर्ट प्लान के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक गांव को सडक से जोडना एवं परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने पर बल दिया गया है। साथ ही लालसोट में परिवहन उप कार्यालय खोले जाने पर भी विचार चल रहा है। तथा इस संबंध में जिला प्रषासन द्वारा राज्य सरकार को लिखा जा चुका है। भविष्य की आवष्यकता को देखते हुए प्रतयेक उपखण्ड कार्यालय स्तर पर उप परिवहन कार्यालय खोले जाने है जिससे आम नागरिक को सुलभ सुविधा उपलब्ध हो सके एवं जनता के समय एवं खर्च में बचत हो सके।

विजन 2030 के तहत दौसा जिले में हर गांव, ढाणी को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराना प्रस्तावित है जिससे हर नागरिक, स्कूली बच्चों एवं सरकारी कर्मचारियों को आने–जाने में सुविधा होगी। जिले के विकास के साथ–साथ जनता का विकास भी होगा। दौसा शहर की बसावट के आधार पर शहर में विभिन्न स्थानों से सिटी बस सेवा के संचालन पर विचार किया जाना है। जिन स्थानों से शहर में आने के लिए अभी परिवहन सेवा उपलब्ध नहीं है उन मार्गो के लिए प्रस्ताव बनाकर परिवहन सेवा उपलब्ध करायी जा सकेगी। बढती जनसंख्या एवं शहरी सीमा में बढोतरी के समानुपात में आवश्यकतानुसार परिवहन सेवा की बढोतरी करनी प्रस्तावित है। दौसा जिले में दर्शनीय स्थल आभानेरी, मेहन्दीपुर बालाजी, झाझीरामपुरा, भाण्डारोज की बावडी, महल नालूदा का बुबानियां कुण्ड, गोटोलाव किले एवं महल को आकर्षित बनाये जाने पर पर्यटक एवं दर्शनार्थियों के आने से जिले में पर्यटन को बढावा मिलेगा। साथ ही जिले में व्यापारियों को कारोबार में बढोतरी होगी।

समाज कल्याण सेवाएं

1. निःशक्तजनों के विवाह हेतु अनुदान :–

योजना के अन्तर्गत निःशक्तजनों को विवाह हेतु 20 हजार रूपयें का अनुदान स्वीकृत किया जाता है । योजना के आवेदन पत्र जिला कार्यालय,सामाजिक आधारिकता एवं न्याय विभाग से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा उनकी पूर्ति कर जिला कार्यालय में ही जमा कराये जाने के पश्चात् उनकी जांच की जाती है । जांच रिपोर्ट के आधार पर अनुदान स्वीकृत किया जाता है । योजना का लाभ लेने हेतु निःशक्तजनों की कुल वार्षिक आय 12000/– रूपयें होनी चाहिए । आवेदन पत्र के साथ निःशक्त प्रमाण पत्र , विवाह कार्ड , राशनकार्ड की सत्यापित प्रति एवं मूल आय प्रमाण पत्र आदि संलग्न करने आवश्यक है, । वर्ष 2009–10 में 11 आवेदकों को इस योजना से लाभान्वित किया गया है एवं भविष्य में सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के तहत कार्यवाही की जावेगी ।

2. विकलांग छात्रवृति :–

विभाग द्वारा सरकारी/गैर सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विकलांग छात्र/छात्रओं को छात्रवृति स्वीकृत की जाती है जो निम्न प्रकार है :–

1. कक्षा 1 से 4 तक — 40/– रूपयें प्रतिमाह
2. कक्षा 5 से 8 तक — 50/– रूपयें प्रतिमाह
3. कक्षा 9 से प्रथम वर्ष तक — 85/– रूपयें प्रतिमाह
4. कक्षा द्वितीय वर्ष से उपर — 125/– रूपयें प्रतिमाह

आवेदक की कुल वार्षिक आय 44500/– होनी चाहिए । जिला कार्यालय सामाजिक आधारिकता एवं न्याय विभाग से आवदेन पत्र निःशुल्क मिलते है । आवेदन पत्र के साथ गत परीक्षा पास की अंकतालिका छात्र/छात्रा के पिता का आय प्रमाण पत्र , मेडीकल बोर्ड द्वारा जरी निःशक्त प्रमाण पत्र की छाया प्रति आदि संलग्न कर विद्यालय प्रधानाध्यापक से कॉलमों की पूर्ति करा विभाग के जिला कार्यालय को भिजवाने होते है । जिला कार्यालय द्वारा छात्रवृति स्वीकृत की जाकर जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से संबंधित विद्यालय को भिजवाई जाती है।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020	**वर्ष 2030**
77	250	1000

3. आस्था योजना :–

निःशक्त परिवारों को सहायता एवं सरंक्षण । ऐसे परिवार जिनमें दो अथवा दो से अधिक सदस्य निःशक्त है और उस परिवार की वार्षिक आय 1.20 लाख रूपयें से अधिक नही है उन निःशक्त परिवारों को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली बी.पी.एल. परिवार की समस्त सुविधाऐं उपलब्ध कराई जायेगी । इनमें निःशुल्क चिकित्सा सुविधा , इन्दिरा आवास में निःशुल्क मकान , राशन सामग्री में रियायत एवं अन्य विकास कार्यो में स्वीकृत सुविधायें सम्मिलित है।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020	**वर्ष 2030**
1.वृद्धावस्था– 10900	15200	20000
2. विधवा – 1072	12000	15000
3. विकलांग– 2053	2500	5000

5. पालनहार योजना :–

बिन मॉ–बाप के बच्वें जिनकी आयु 15 वर्ष से कम हों को पाल पोस कर बडा करने वाले पालनहार परिवार जिसकी वार्षिक आय 1.20 लाख रूपयें से कम हो को प्रत्येक अनाथ बच्वें हेतु सहायता प्रारम्भिक 5 वर्षो तक 500 रूपयें मासिक स्कूल में दाखिला होने पर 675 रूपयें मासिक तथा वस्त्र जूते, जुराबें,, स्वेटर, आदि वस्तुओं के लिए प्रति बच्चा 2000 रूपयें वार्षिक अतिरिक्त होगा। 15 वर्ष की उम्र पूरी हो जाने के बाद इन बच्चों को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में रखा जावेगा ।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020	**वर्ष 2030**
729	850	1150

6. विश्वास योजना :–

राज्य के निःशक्त (विकलांग) व्यक्तियों के लिए जिनकी 40 प्रतिशत विकलांगता है 18 वर्ष से अधिक आयु हो तथा मासिक आय 1500 रूपयें है को स्वरोजगार /व्यावसायिक गतिविधि प्रारम्भ करने हेतु 50 हजार रूपयें का ऋण दिया जावेगा । इस ऋण की सब्सिडी (अनुदान) राशि 10,000/– रूपयें एवं शेष 40,000/– रूपयें की रकम उसे 7 वर्ष में समान आसान किस्तों में चुकानी होगी । सहकारी बैंक के द्वारा न्यूनतम ब्याज दर पर 40 हजार रूपयें का ऋण उपलब्ध कराया जावेगा । ऋण आवेदन पत्र समाज कल्याण विभाग में जमा कराये

जावेगें। वर्ष 2009–10 में 04 व्यक्तियों को लाभांन्वित किया गया । भविष्य में प्राप्त आवेदनों के आधार पर सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के तहत कार्यवाही की जावेगी ।

7. विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान योजना :–

इस योजना में विधवा महिला द्वारा अपनी पुत्री का विवाह करने पर 10,000रू. की अनुदान सहायता उपलब्ध करवाई जाती है अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान स्वीकृत किया जाता है। वर्ष 2009–10 में 107 परिवारों को लाभांन्वित किया गया । भविष्य में प्राप्त आवेदनों के आधार पर सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के तहत कार्यवाही की जावेगी ।

8. उत्तर मेट्रिक छात्रवृति :–

विभाग द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के छात्र/छात्रओ को देय उत्तर मेट्रिक छात्रवृति स्वीकृत की जाती है।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020	**वर्ष 2030**
1.अनु0जाति– 2026	4700	8500
2.जनजाति– 6634	8750	10000
3. ओ.बी.सी.– 126	1500	2500

9. छात्रावास संचालन :–

जिले में कुल 19 छात्रावास संचालित है जिसमें से 13 छात्रावास राजकीय 6 छात्रावास अनुदानित है ।राजकीय छात्रावासों में निम्नानुसार बढोतरी किया जाना प्रस्तावित है :–

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020	**वर्ष 2030**
1. अनु0जाति – 05	05	04
2. जनजाति – 06	05	05
3. स्वच्छकार – 02	02	02

11. अनुप्रति योजना :–

राजस्थान राज्य के मूल निवासी अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थी जिनके परिवार की वार्षिक आय 1.20 लाख रूपयें तक है को संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षाओं की प्रारम्भिक परिक्षा में उत्तीर्ण होने पर रूपयें 0.75 लाख रूपयें तथा मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण करने पर 0.25 लाख रूपयें की सहायता राशि उपलब्ध करवाई जाती है। राजस्थान लोक सवो आयोग की राज्य प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाओं की मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अनुसूचित जाति के अभ्यार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाता है। वर्ष 2009–10 में 54 अनुसूचित जन जाति एवं 13 अनुसूचित जाति के आवेदकों को लाभान्वित किया गया एवं भविष्य में आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जावेगी ।

12. भक्त श्रवण कुमार कल्याण सेवा आश्रम :–

विभाग द्वारा 65 वर्ष से उपर के असहाय /अनाथ वृद्धों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से वृद्धा आश्रम केन्द्रों का संचालन स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से किया जाता है । इन वृद्धारम केन्द्र में 25 वृद्धों का चयन कर उन्हे अल्पाहार , मनोरंजन के साधन , आँखों की निःशुल्क जांच , चश्में, छडियां, निःशुल्क दवाईया दी जाती है । जिला मुख्यालय पर सोसियल डवलपमेन्ट सोसायटी द्वारा 25 वृद्धों हेतु भक्त श्रवण कुमार सेवा आश्रम का संचालन किया किया जा रहा है । सामाजिक मूल्यों में ह्रास एवं परिवारों की एकल प्रवृति के कारण भविष्य में वृद्धा आश्रम भी खोलना प्रस्तावित है ।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020 की स्थिति	वर्ष 2030 की स्थिति
25	75	125
शून्य	दो वृद्धा–आश्रम	पांच वृद्धा आश्रम

13. सहयोग योजना :–

अनुसूचित जाति के गरीबी की रेखा से नीचे चिन्हित परिवारों की परिवारों की पुत्रियों की शादी हेतु 5000/– रूपयें प्रति पुत्रि अधिकतम 2 पुत्रियों को 18 से 21 वर्ष की आयु हेतु स्वीकृत की जाती है एवं अन्य सभी बीपीएल की 21 वर्ष से अधिक आयु की पुत्रियों के विवाह हेतु 10000/– रूपयें प्रति पुत्री स्वीकृत की जाती है।

वर्ष 2010 की स्थिति	प्रस्तावित	
	वर्ष 2020 की स्थिति	वर्ष 2030 की स्थिति
568	1150	1375

15. गाडिया लोहार योजना :–

विभाग द्वारा गाडियों लोहारों को भवन बनाये जाने हेतु महाराणा प्रताप योजनान्तर्गत अनुदान स्वीकृत किया जाता है। द्वितीय किस्त के भुगतान में 7.00 लाख रूपयें व्यय किये जा चुके है। वर्ष 2009–10 में 70 गाडिया लोहार परिवारों को लाभान्वित किया जा चुका है एवं वर्ष 2020 तक जिले के सभी गाडिया लोहार परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की योजना है । वर्ष 2030 तक इस समुदाय के सभी परिवारों को पूर्ण रूप से पुर्नवासित करने की योजना है ।

सुझाव आमंत्रण

जिले के समग्र विकास के लिए विजन–2030 प्रारूप पत्र में विभिन्न नागरिक सेवाओं का अनुमानित आंकलन किया गया है एवं इस पत्र का समय–समय पर मूल्यांकन किया जायेगा जिसमें जिले के जनप्रतिनिधि, विषय विषेषज्ञों एवं प्रबुद्ध नागरिकों एवं सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों/संस्थाओं के सुझाव एवं विजन–2030 में प्रस्तावित की गई योजनाओं में सुधार एवं विस्तार हेतु प्रतिवेदन आमंत्रित किये जाते हैं ।

नागरिकों से अपेक्षा है कि वे विजन–2030 को प्रभावी बनाने एवं जिले के विकास में भागीदारी सुनिष्चित करने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव प्रेषित करें जिससे प्रषासन को जन्नोमुखी विकास की परियोजनाएं बनाने में सहयोग मिल सके । विजन–2030 जिला प्रषासन की बेबसाईट http://dausa.nic.in पर उपलब्ध है ।

उक्त सम्बन्ध में अपने बहुमूल्य सुझाव निम्न पते पर व्यक्तिषः एवं इंटरनेट एवं डाक से प्रेषित किये जा सकते हैं :–

जिला कलेक्टर,
जिला दौसा (राजस्थान)
ईमेल पता– dm-dau-rj@nic.in